



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 424] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 21, 1982/भाद्र 30, 1904
No. 424] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 21, 1982/BHADRA 30, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 सितम्बर 1982

का. आ. 683(अ)- केन्द्रीय सरकार की मैसर्स काशीराम टी इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, पी-11, न्यू हावड़ा एप्रोच रोड, कलकत्ता के स्वामित्वाधीन दार्जिलिंग जिले में स्थित सामावियोंग टी एस्टेट, कालिपोंग सब-डिवीजन, नामक चाय एकक की बाबत यह राय है कि-

- (1) 1976—1980 से पूर्ववर्ती पांच वर्षों के दौरान इस चाय एकक की औसत उपज जिले की औसत उपज से 25 प्रतिशत (25%) कम रही है।
- (2) इस चाय एकक को सभी पांच वर्षों में हानि हुई है।
- (3) इस चाय एकक पर भूमि लगान के कारण कानूनी बाध है।
- (4) यह चाय एकक 1-11-1980 से बन्द पड़ा है।
- (5) चाय एकक का प्रबन्ध ऐसे ढंग से किया जा रहा है जो चाय उद्योग तथा लोकीहित के लिए अपायकर

अतः अब केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 16-ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 839(अ), तारीख 3 अक्टूबर, 1980 को अधिक्रान्त करते हुए, उक्त चाय एकक के मामलों का पूर्ण और व्यापक अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित होंगे :-

1. निदेशक, चाय विकास, चाय बोर्ड, कलकत्ता।
2. विशेष अधिकारी, पश्चिमी बंगाल चाय विकास निगम, कलकत्ता।
3. कम्पनी-रजिस्ट्रार, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता।
4. अधीक्षक वानरहट टी कम्पनी लिमिटेड, यूले हाउस, 8 ब्लाक रोड, कलकत्ता-1।

2. व्यक्तियों का उक्त निकाय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से 100 दिन की अवधि के भीतर अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगा।

[का. सं. बी. 12012 (5)/79-प्लॉट ए]

एस गोपालन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 20th September, 1982.

S.O. 683(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that the respect of the tea unit known as Samabeong Tea Estate in Kalimpong Sub-Division of Darjeeling district, owned by M/s. Kashiram Tea Industries Ltd., P-11, New Howrah Approach Road, Calcutta-1, that :—

- (i) During the proceeding five years from 1976—1980 the average yield of the tea unit has been lower than the district average yield by more than twenty five per cent (25 per cent).
- (ii) The tea-unit has incurred losses in all the five years.
- (iii) The Tea Unit has statutory dues on account of Land Rent.
- (iv) The tea unit has been under closure since 1-11-1980.
- (v) The tea unit is being managed in a manner highly detrimental to the tea industry and to public interest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 168 of the Tea Act, 1953 (29 to 1953) and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce (Department of Commerce) No. S.O. 839 (E), dated the 3rd October, 1980, the Central Government hereby appoints for the purpose of making a full and complete investigation into the affairs of the said unit, a body of persons consisting of :—

1. Director of Tea Development, Tea Board, Calcutta.
2. Special Officer, W. B. Tea Development Corporation, Calcutta.
3. Registrar of Companies, West Bengal, Calcutta.
4. Supdt, Banarhat Tea Co. Ltd., Yule House, 8, Clive Row, Calcutta-1.

2. The said body of persons shall submit its report to the Central Government within a period of 100 days from the date of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 8-12012(5)/79-Plant A]

S. GOPOLAN, Joint Secy.